



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरूक
दिनांक २३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-४

सर्वे : कोरोना ने बदल दिया आम आदमी के खानपान का तरीका

जागरण संघाददाता, हिसरः कोरोना संकट से विश्व जूँझ रहा है। इस महामारी के चलते जहाँ एक और लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहाँ उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। चौथीधी विश्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में यह बात निकलकर सामने आई है। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए, जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं संभिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पकड़ हुआ भोजन, फल, सविजयी, टूथ तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया, जबकि फास्ट फूड, जंक पूफूट तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। अधिकतर लोग बाजार की चीजों के बजाय घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के प्रचाचत खाड़ा पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कटिपांप लगाकर किया गया। सर्वे महाविद्यालय की डीन डा. विमला ढांडा के निर्देशनानुसार खाद्य पर्याप्त विभाग की विभागाध्यक्ष डा. संगीता सिंधु की देखेख से में किया गया।

तत्कालिक मुद्रां पर खास ध्यान
खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागशक्ति
डा. संगीता सी. सिंह ने बताया कि
विभाग की ओर से कोना न महसूपारी
जीसे आकर्मिक परिस्थितियों को व्याप्ति
में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया
था, ताकि लोगों के जीवन में अवधारक
खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके
खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर
न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आजनन
की विभिन्न मार्गदर्शक द्वारा समय-समय
पर जारी किया जा रहा है। इस
सर्वे का भी मुख्य कठोरान्न महसूपारी
के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में
बदलाव के बाद जागरूक करना है।

फल-सज्जियों के सेवन में पाई गई अधिकता
डा. उर्द्धवी नादल एवं डा. मंजू गुप्ता
द्वारा किए गए इन सर्वेक्षण को गुग्ल कार्बन के मायम्बद्ध से ऑनलाइन किया गया था। उन्होंने बताया कि कोरोना के लिए फल एवं सज्जियाँ, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तंदूसी की खपत में भी पुढ़िया पाई गई।
कुछ लोगों ने दालबीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय यही कि गर्म अचारों गर्म रसभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

A black and white portrait of Dr. B.R. Ambedkar, an Indian political leader and social reformer. He is shown from the chest up, wearing a dark suit, a white shirt, and a dark tie. He has a serious expression and is looking slightly to his left. The background is plain and light-colored.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दोस्रे भाग

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २३.११.२०२० पृष्ठ संख्या..... १२ कॉलम..... ५.४

कोरोना ने बदल दिया खानपान का तरीका

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

हरिमूगि न्यूज || हिसार

कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा के

सर्वे जागरूकता लाने वें

नटदगार

समय-समय पर तकातिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण करवाए जाते हैं। ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाते हैं।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, हकूमि



गुगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे

प्राथगिकता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर

आयुर्वर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुर्वर्ग के सबसे ऊचादा 195 लोगों ने माना लिया। हसनें पाया वया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ मोज़िज़, फल, सब्जियां, दूध तथा बट्टस का सेवन अधिक किया गया जबकि फारस्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी मोज़िज़ का सेवन बहुत कम किया गया।



डॉ. उर्वशी नांदल

डॉ. मंजू गुप्ता

तात्कालिक गुदों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिव्यु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आक्रमक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था ताकि लोगों के जीवन में अद्यावक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व रखाख्य पर विपरीत असर नहीं पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सारी
दिनांक २३.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....।-५

ऑनलाइन सर्वे : कोरोना ने बदल दिया लोगों के खानपान का तरीका

हिसार, 22 सितम्बर (ब्यूरो) : कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है।

इसके चलते जहां एक और लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंह की देखरेख में किया गया।

इसको खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

तत्कालिक मुद्दों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसी आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पढ़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे की भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

गूगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दे रहे प्राथमिकता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इसमें कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुर्वर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुर्वर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया, जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन से परहेज किया गया। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी बढ़िया पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन-टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक २३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....३-४.....

कोरोना ने बदला लोगों का खानपान का तरीका

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। इस कोरोना संकट में लोगों के खानपान की शैली में भी काफी बदलाव आया है। यह जानकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गृह विज्ञान महाविद्यालय की तरफ से कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता ने किया। इस सर्वे का मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

गूगल फार्म से किया सर्वे : इस सर्वे में कुल 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल हुईं। सर्वे में 20 से 35 वर्ष के आयुर्वर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध और नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय। (फ़ाइल फोटो)

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। लोगों ने खरीदारी के बाद खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणु रहित भी किया। कोरोना को रोकने के लिए फल-सब्जियां, खट्टे फल, लहसुन, अदरक, हल्दी व नट्स की खपत में भी बढ़ि पाई गई। कुछ लोगों ने दालचीनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक २२-९-२०२० पृष्ठ संख्या.....— कॉलम

कोविड के चलते जीवनशैली में आया बदलावः डॉ. संगीता सिंधू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्व



कल्पति ग्रोफेसर



समर सिंह का फाइल डॉ. उर्वशी नांदल का
फोटो। फाइल फोटो।



डॉ. मंजू गुप्ता का
फाइल फोटो।

स्थिटी पत्स न्यूज़, हिमार। कोरेना सकृत से आज मारा विश्व जुलू रहा है। इम महामारी के चलते जहाँ एक और लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहाँ उनके खानपान व जीवनशीली में भी बदलना अप्रृद्ध देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक अनिलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला दाढ़ा के निरेशननुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाच्छक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्ह की देखेंखें में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अधिकल भारतीय मरमन्त्रित परियोजना के तहत डॉ. उत्तंशी नारदन एवं डॉ. मंजु गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों में कोविड-19 महामारी के दौरान आहार पद्धति पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

तत्कालिक मुद्दों पर होता है खाम ध्यान

द्युम्य एवं पांचण विभाग की विभागाध्यक्ष द्वा. संगीता सी. मिश्ने ने बताया कि विभाग की ओर से

गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सॉक्सिया, दुध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। आनांदि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कारबन सकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों

समाज में जागरूकता
लाने में मुटदगार होते हैं
ऐसे सर्वे : समर सिंह

कूलापति पोकेसर संग्रह स्थित ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक युद्धों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न कलाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेषण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राच्याभिको विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेषण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सहायता की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेषण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।

को धानी या पानी के साथ नमक
मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया।
जोरेना को रोकने के लिए फल एवं
मध्यजड़ी, खुदूफल, लहसुन, अदरक,
हल्दी तथा नट्रस की खुपत में भी बृद्धि
पाई गई। कुछ लोगों ने खलचोनी,
शहद, फलों का जूस, धीनटी, अदरक
की चाय का सेवन भी बढ़ाया।
उत्तराधारों में से अधिकांश की राय
थी कि गम्भीर अधना गम्भीर स्थापाव वाले
खाल पदार्थ कोरेना को रोकने में
महारास साक्षित हो सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पा. २५४५

दिनांक २२.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 सितम्बर : कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूँझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक और लोगों का धरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष

समाज में जागरूकता लाने में मददगार होते हैं ऐसे सर्वे : प्रोफेसर समर सिंह

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सहायता की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।



बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम की गया था। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २२. ७. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

22

**चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय के
इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान
महाविद्यालय ने कराया सर्वे**

नियंत्रित टाइम्स न्यूज
हिसार। कोरोना संकट से आब सारा
प्रिय जु़ज रहा है। इस महामारी के चलते
जहाँ एक और लोगों के भ्रांति से बाहर
निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहाँ
उनके खानपान व जीवनशैली में भी
बदलाव सह देखने को मिला है। यह
जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती
गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराया गए
एक अनिलाइन सर्वे में निकलकर सामने
आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिकारी
डॉ. निमिता लंडा के निदेशनस्तुता द्वारा
एवं पोषण विभाग को विभागाध्यक्ष डॉ.
संगीता सौ. सिंचु द्वारा किया गया। इस
सर्वे का भी मकानक छोरोंना महामारी के
दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए
विघ्नों को खाल एवं पोषण
विभाग में अधिकल भारतीय समन्वय

परियोजना के तहत डॉ. उमेशो मोदल एवं
डॉ. मंजु गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में
लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान
आबादी एवं पोषण के बारे में जानकारी
प्राप्त की गई।

**तत्कालिक मुद्रों पर होता
है खास ध्यान**

खाद्य एवं पोषण विभाग की
विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सौ. सिंचु ने
बताया कि विभाग की ओर से कोरोना
महामारी जैसे आक्रियक परिस्थितियों को
ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया
गया था, ताकि लोगों के जीवन में
अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने
से उनके खानपान व व्यास्था पर विफरीत
असर न पहुँचे। इसके लिए विभाग द्वारा
आवश्यक को विभिन्न माध्यमों द्वारा सभ्य-
सम्पर्क पर जागरूक किया जा रहा है। इस
सर्वे का भी मकानक छोरोंना महामारी के
दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए
विघ्नों की जानकारी हासिल करने के
उपरांत जागरूक करना है।

समाज में

जागरूकता लाने में

मददगार होते हैं

ऐसे सर्वे : वीसी

कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने
कहा कि सभ्य-सम्पर्क पर तत्कालिक
समाजिक मुद्रों को लेकर¹ विश्वविद्यालय
के विभिन्न महाविद्यालयों
द्वारा इस प्रकार के
सर्वे हैं।

आयोजित किए जाते हैं। उन्हेंने
विश्वविद्यालय के सभी प्रायोगिकों व
विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेश्वर
से ममाज में जागरूकता फैलाने के
लिए भी सहायता की है। उन्हेंने कहा
कि ऐसे सर्वेश्वर समाज में



**गुगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों
को दे रहे प्राथमिकता**

डॉ. उमेशो मोदल एवं डॉ. मंजु गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेश्वर को गुगल फार्म के
माध्यम से ऑफलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें

313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं।
सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे,
लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के मध्यमें
ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें
पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में
पकड़ हुआ भोजन, फल, सब्जियाँ, दूध तथा
नमस का सेवन अधिक किया गया जबकि
फलस्ट फूड, जैक फूड तथा याहरी भोजन
का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में

पाया गया कि अधिकतर लोग आजार की चीजों को बचाए घरेलू चीजों को अधिक महात्मा
दे रहे हैं। डालांक उनके अनुसार आजार की चीजें छोरोंने में भी कोरोना संकट में कोई
कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा उत्तीर्णीय के पक्षात् खाद्य पदार्थों को पानी या चानी के साथ
नमक गिलानकर कोटाण्टरहित भी किया गया। 'कोरोना' यों सोकने के लिए फल एवं
सब्जियाँ, छट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी बढ़ि आई गई।
कुछ लोगों ने दालचीनी, शब्दाद, गोली का जूस, गोव टी, अदरक की चाप का सेवन भी
बढ़ाया। उत्तरदायकों में से अधिकांश की राय थी कि गर्व अध्यवा गर्व स्वभाव बाले खाद्य
पदार्थ कोरोना को रोकने में मद्दत साखित हो सकते हैं।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 22.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

पल पल न्यूज़: हिसार, 22 सितम्बर। कोरोना संकट से आज सारा विश्व जूझ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट

देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने लतागा कि निपांग त्री और मे

कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े।



इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए

बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करने दें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... १०८१८ नं
दिनांक २३. ७. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कोरोना ने बदल दिया खानपान का तरीका

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

ट्रैनिंग | Training



८ लंड शप्टा



Dr. Urmila Pandey



प्रो. समर सिंह

तत्त्वातिक मुद्दों पर होता है द्वास व्यान
 उपर एवं पोषण विभाग की दिग्गजव्यापारी डॉ. रमेशनाथ
 दिव्युद्धे द्वारा की विभाग की ओर से कठोरकाल महामारी
 देखे अधिकारियों को द्वास में रखाकर दी
 तरी आयोजित विषय जगत् ता, ताकि लोगों के जीवन
 में अचानक खाद्य एवं औषध ने दबावत आवी ते उनको
 खालीलाल व स्वस्थस्था दिया जाए। इसके बाहर
 विभाग द्वारा अनुज्ञान देये आयोजनाएँ द्वारा सुनिश्च-सुनिश्च-
 पर जागरूक विद्या जा रही है। कठोरकाल महामारी द्वारा सुनिश्च-सुनिश्च-
 लोगों के जीवन व जात्याकाल में एवं बहुतकाल की जालावाही
 अस्तित्व करने के उपरांत जागरूक रहाएँ हैं।

गगल फार्म से किया सर्वे, धरेतू चीजों को दे रहे प्राथमिकता

द्वा. उर्ध्वी लंबल एवं द्वा. मध्यु गुरु द्वारा किय गए इन तत्त्वकांगे को गुणात पास के मापदंड से अनिवार्य घोषया जाय गया। इन तत्त्वों में कुल 425 लेख शामिल हुए जिसमें 33 पृष्ठ एवं 12 महीनाएँ शामिल हैं। यहाँ में हर अध्यार्थ के लेख शामिल हैं, लेकिन 20 से 35 वर्ष के अध्यार्थों के साथसे ज्ञाना 95 लेखों ते भग्न बिना। इनमें पाया गया कि इन भ्रमाणाओं के द्वारा इस में पक्षा हुआ औंडल, फल, लिंगायत, धूप तथा दर्वाजा एवं देवताओं की किया जाय। कोरेला को गोलने के लिये इन एवं नियमों, घोटे फल, लहसुन, अदरक, हस्ती तथा दर्वाजे की खात्या में से भी गुड़ पाई गई। कुछ लेखों ते लंबायी, लंबायी का ऊस, लंबा टौ, अदरक की खात्या का लंबल तथा दर्वाजा। अन्यतात्त्वों में से अधिकतम की तात्त्वों ती भी गम्भीर अदरक जूस तथा दाता याद वर्जन के लिये अधिकतम लंबायी तथा दाता याद वर्जन की दर्वाजे।

समाज में जागरूकता
साने में सद्विद्या
होत है ऐसे स्त्री
ये अपने प्रिय



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २३.७.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हकूमि के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कराया सर्वे

कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

पांच बजे ब्लूज़

हिसार। कोरोना संकट से आज सारा विश्व जुड़ रहा है। इस महामारी के चलते जहाँ एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मशिकल हो गया था, वहाँ उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला दांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। सर्वे में लोगों से कॉविड-19 महामारी के दौरान आहार एवं पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

तत्कालिक मुद्रदों पर होता है खास ध्यान

खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिन्धु ने बताया कि विभाग की ओर से कोरोना महामारी जैसे आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ये सर्वे आयोजित किया गया था, ताकि लोगों के जीवन में अचानक खाद्य एवं पोषण में बदलाव आने से उनके खानपान व स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन को विभिन्न माध्यमों द्वारा



समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। इस सर्वे का भी मकसद कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन व खानपान में आए बदलाव की जानकारी हासिल करने के उपरांत जागरूक करना है।

गुगल फार्म से किया सर्वे, घरेलू चीजों को दें रहे प्राथमिकता

डॉ. उर्वशी नांदल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नद्दी का सबन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक

फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पक्षात् खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नद्दी की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कुछ लोगों ने दाल चीनी, शहद, फलों का जूस, पीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

समाज में जागरूकता तो में महामारी होते हैं ऐसे सर्वे : प्रोफेसर समर सिंह

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्रों को लेकर विश्वविद्यालय के विभाग महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार होते हैं। जायज़ जैत किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय सभी प्राथ्यपकों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नं.भ.: ३५२

दिनांक २२.१.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

सर्वे : फास्ट फूड नहीं, घर में पके भोजन को लोगों ने दी प्राथमिकता

हिसार/22 अक्टूबर/रिपोर्टर

कोरोना संकट से आज सारा विश्व जु़झ रहा है। इस महामारी के चलते जहां एक और लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था, वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा के निर्देशनुसार खाद्य एवं पोषण विभाग को विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सी सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत डॉ. उर्वशी नादल एवं डॉ. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण को गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था। इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें 313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुर्वर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुर्वर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग वाजार की चीजों की बजाए धरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार

वाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटोन्युरहत भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई। कछु लोगों ने दालचोनी, शहद, फलों का जूस, ग्रीन टी, अदरक की चाय का सेवन भी बढ़ाया। उत्तरदाताओं में से अधिकांश की राय थी कि गर्म अथवा गर्म स्वभाव वाले खाद्य पदार्थ कोरोना को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि समय-समय पर तत्कालिक सामाजिक मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा इस प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यपक्षों व विद्यार्थियों को इस प्रकार के सर्वेक्षण से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सर्वेक्षण समाज में जागरूकता लाने का काम करते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
—पंजाब के सरोत मिली—
दिनांक २२.७.२०२० पृष्ठ संख्या.....—
कॉलम.....

कोरोना ने बदल दिया लोगों का खानपान का तरीका

हिसार, 22 सितम्बर (राज पराशर) : कोरोना संकट से आज सारा विश्व जु़़़ रहा है। इस महामारी के चलते जहाँ एक ओर लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया था। वहीं उनके खानपान व जीवनशैली में भी बदलाव स्पष्ट देखने को मिला है। यह

जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह

विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कराए गए एक ऑनलाइन सर्वे में निकलकर सामने आई है। सर्वे महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा के निर्देशानुसार खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष डा. संगीता सी सिन्धु की देखरेख में किया गया। इस सर्वे को खाद्य एवं पोषण विभाग में डा. उर्वशी नांदल एवं डा. मंजू गुप्ता द्वारा किया गया। डा. उर्वशी नांदल एवं डा. मंजू गुप्ता द्वारा किए गए इस सर्वे में कुल 425 लोग शामिल हुए जिसमें

313 पुरुष व 112 महिलाएं शामिल थीं। सर्वे में हर आयुवर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन 20 से 35 वर्ष के आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 195 लोगों ने भाग लिया। इसमें पाया गया कि इस महामारी के दौरान घर में पका हुआ भोजन, फल, सब्जियां, दूध तथा नट्स

का सेवन अधिक किया गया जबकि फास्ट फूड, जंक फूड तथा बाहरी भोजन का सेवन बहुत कम किया

गया। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर लोग बाजार की चीजों की बजाए घरेलू चीजों को अधिक महत्व दे रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार बाजार की चीजें खरीदने में भी कोरोना संकट में कोई कठिनाई नहीं हुई। लोगों द्वारा खरीदारी के पश्चात खाद्य पदार्थों को पानी या पानी के साथ नमक मिलाकर कीटाणुरहित भी किया गया। कोरोना को रोकने के लिए फल एवं सब्जियां, खट्टे फल, लहसून, अदरक, हल्दी तथा नट्स की खपत में भी वृद्धि पाई गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनीकुमार

दिनांक २३.७.२०२० पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....।-

पर्यावरण संरक्षण

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय में इवेंट मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने आयोजित किया इवेंट

आस्ट्रेलिया से भारत तक पर्यावरण बचाने को साइकिल पर युवा

जागरण संवाददाता, हिसार: विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2016 में प्रदूषण के चलते होने वाली बीमारियों से विश्वभर में करीब 42 लाख लोगों की असामिक मौत हुई थी। यह आंकड़ा इतना बड़ा है कि सोचने पर ही हैरान कर देता है। लोगों में कार की जगह साइकिलिंग का प्रयोग बढ़े, इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा वर्दुरअल साइकिलिंग इवेंट आयोजित किया गया। जिसमें करीब 200 लोगों ने एक साथ साइकिलिंग की। खास बात यह है कि हिसार ही नहीं बल्कि इसमें आस्ट्रेलिया से भी युवाओं ने जुड़कर साइकिलिंग कर प्रदूषण मुक्त धरा का संदेश दिया। इस इवेंट में छोटे बच्चों ने भी अपनी रुचि दिखाई। छोट-छोटे बच्चों ने अपनी साइकिल से 5-5 किलोमीटर तक साइकिलिंग कर पर्यावरण के प्रति चिंता जताई।



वर्दुरअल साइकिलिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती युवती। • सौजन्य एचएयू

चार श्रेणी में आयोजित की गई थी प्रतियोगिता

इस इवेंट को चार श्रेणी में आयोजित किया गया था। जिसमें 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 20 किलोमीटर और 50 किलोमीटर साइकिल चलानी थी। इवेंट में भाग लेने वालों में सबसे अधिक 50 किलोमीटर साइकिल चलाने वाले लोग रहे। खास बात है

कि इन सभी को अपना साइकिलिंग का रिकार्ड एक एप में दर्ज करना था, उसके आधार पर ही लोगों को ई-स्टीफिकेट भी दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में युवा ही नहीं बल्कि एचएयू की कई महिला शिक्षिकाओं ने भी भाग लिया।

एक किलोग्राम वजन घटाने को 7 हजार कैलोरी होती है वर्न करीब 563 कैलोरी बन कर सकते हैं। अब आप अंदाजा लगाइए कि एक किलोग्राम वजन घटाने के लिए 7 हजार कैलोरी बन करनी होती है। अगर आप 20 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से साइकिल चलाते होते हैं तो

करीब 563 कैलोरी बन कर सकते हैं। अब आप अंदाजा लगाइए कि एक किलोग्राम वजन घटाने के लिए आपको कितनी साइकिल चलानी होगी। इससे आपका शरीर भी चल सकता है। और पर्यावरण को भी संरक्षण मिलेगा।

30 साल पुरानी स्मोकिंग की लत छूटी

प्रवीन नारग बताते हैं कि यूं तो वह बचपन से ही साइकिलिंग करते रहे हैं, मगर दो साल पहले वह गंभीरता से जुड़े। हिसार रोडीज ग्रुप के साथ शामिल होकर उन्होंने सेकड़ों किलोमीटर साइकिलिंग की है। इसके साथ ही इंटरनेशनल साइकिलिंग इवेंट में भी भाग लिया है। इस साइकिलिंग का कायदा यह रहा कि उन्होंने 15 किलोग्राम वजन तो घटाया, साथ ही उनकी 30 साल पुरानी स्मोकिंग की लत भी इससे छूट गई। अब वह दूसरों को भी साइकिलिंग के लिए प्रेरित करते हैं।

जरुरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें। आप चाहें तो अपने रोजाना के कार्यों को पूरा करने के लिए भी साइकिल चला सकते हैं। ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी। हर रोज कुछ मिनट साइकिल चलाकर भी आप फिट रह सकते हैं। डा. विमला दांडा, डीन, गृह विज्ञान महाविद्यालय।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... योनी मालिक

दिनांक २३.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... १-६

जो जहां था वहीं से साइकिलिंग कर भेजा
डाटा, 50 किमी तक का पूरा किया टारगेट



जानिए... साइकिलिंग के लिए
दिए गए थे ये तीन टारगेट

कर्वी कर पायी एक साथ लेगा इकड़े नहीं हुए, पार्टिसिपेंट्स ने अपने घर के आस-पास या जहाँ उड़ने दीक लगा वहाँ साइकिलिंग की और मेवाइल के स्टॉप पॉवर के जरिए हर पार्टिसिपेंट ने अपना ड्राटा भेजा।

साइकिलिंग इवेंट में पार्टिसिपेट करने वाले लोगों को तीन टारगेट दिए गए थे। इसमें 10 किलोमीटर, 20 किलोमीटर और 50 किलोमीटर तक के टारगेट फिक्स किए गए थे। लोगों को अपना टारगेट पूछा करने के बाद साइकिल चलाने का डाटा भेजने थे। इवेंट पार्टिसिपेशन से पहले रजिस्ट्रेशन जरूरी १

• रोज़ के कामों के लिए इस्तेमाल करें साइकिल

प्रतियोगिता महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट मेनेजरमें कौशल विकास के विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजु मंहेता को प्रोफेसर रणि सिंह को देखरेख में इवेंट आयोजित की। गवर्नर विजयन महाविद्यालय की

अधिपाटा डॉ. बिमला ढाड़ा ने कहा कि जरूरी नहीं है कि आप साझेकिल चलाने के लिए अलग से समय निकलों, अपने चाहें तो अपने रेज के कामों के पूरा रखने के लिए साथेकिल चला सकते हैं, ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी।

एक्सपर्ट्स की राय.. फिटनेस के लिए आधा घंटे चलाएं साइकिल

एक्सप्रेस के अनुसार रोज आधा घंटा साइक्लिंग चलाकर खुद को फिट और फाइन रखा जा सकता है। इससे ब्लड प्रेशर तो संतुलित रहता ही है। साथ ही हर एक एटी एंजिंग व्यायाम भी है। ब्लड सक्युलेशन सभी होने से बोनस भी मजबूत होती है, वही इससे दिल के गोंकों का खतरा कम होता है।

200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा। आयोजक इंचार्ज प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस ड्रॉवर्ट में एचपीयू व अन्य सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी व अन्य लोग ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिवेदिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दीनांक माहात्मा

दिनांक २३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... १३

कोरोना काल • संक्रमण से बचाव का एचएयू का फैसला इस बार वर्चुअल किसान मेला होगा

भारतकर न्यूज | हिसार

कोरोना के चलते इस बार सितंबर माह में एचएयू में राष्ट्र स्तरीय किसान मेला अभी तक आयोजित नहीं किया जा सका। एचएयू प्रशासन ने निर्णय लिया है कि कोरोना से बचाव के महेनजर इस बार किसानों के लिए वर्चुअल किसान मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में पहले की तरह हरियाणा के अलावा, पंजाब, यूपी, राजस्थान, असम समेत विभिन्न प्रदेशों के किसान भागीदारी कर सकेंगे। जल्द ही मेले में किसानों की भागीदारी कराने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मंगलवार को एचएयू प्रशासन और सामुदायिक रेडियो स्टेशन के अधिकारियों के बीच वर्चुअल मेले को लेकर काफी देर तक गहन मंथन किया गया।

मेले में किसानों को यह दी जाएगी जानकारी

किसान मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उत्प्रेरक तथा फलदार पौधों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही किसानों को विवि के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खीरफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। उम्दा फसल उत्पादन किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

मेले के लिए कॉल कर रहे थे किसान

इस बार मेला अभी तक आयोजित नहीं किया जा सका था। जिसके कारण यूपी, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली के किसान लगातार एचएयू के विभागीय अधिकारियों के पास प्रतिदिन कॉल कर रहे थे।

तारीख तय करेंगे : वीसी

“कोरोना महामारी के कारण इस बार यूनिवर्सिटी में राष्ट्र स्तरीय किसान मेला कराना संभव नहीं था। विवि प्रशासन ने सर्वसम्मति से वर्चुअल किसान मेला आयोजित करने का निर्णय लिया है। जल्द ही मेले की तारीख भी निर्धारित कर दी जाएगी।” - प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... २३

एचएयू में शाम साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

जागरण संगठनाता, हिसार:
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय (एचएयू) के
कार्यालय 22 सितंबर से सायं
साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे।
विश्वविद्यालय के कुलसचिव
डा. बीआर कंबोज ने बताया कि
22 सितंबर से विश्वविद्यालय के
कार्यालय खुलने का समय सुबह 9
बजे से शाम साढ़े 4 बजे तक रहेगा।
यह समय प्रशासन के आगामी आदेश
तक प्रभावी रहेगा। पिछले कुछ दिनों
से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व
विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित
कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में
रखते हुए कोरोना के संक्रमण को
रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी
केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी
हिदायतों की अनुपालना करते हुए
लिया गया है। उन्होंने बताया कि
अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए
केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा।
साथ ही केवल विश्वविद्यालय के
कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट
नंबर चार भी खुलेगा, जो प्रवेश के
लिए सुबह 8 बजकर 45 मिनट से
9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा।
दोपहर साढ़े 12 बजे से दोपहर 1
बजकर 15 मिनट तक आने व जाने

दो शिपटों में आएंगे कर्मचारी

कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप ए
व बी के कर्मचारियों को कार्यालय
में विश्वविद्यालय के समय सुबह
9 बजे से सायंकाल साढ़े 4 बजे
तक आना होगा। लेकिन ग्रुप सी व
डी के कर्मचारियों को दो शिपटों में
कार्यालय में आना होगा। जिसके
लिए पहली शिपट सुबह 9 बजे से
दोपहर साढ़े 12 बजे तक होगी,
जबकि दूसरी शिपट दोपहर 1 बजे
से सायंकाल साढ़े 4 बजे तक
होगी। विश्वविद्यालय का कैंपस
हास्पिटल के लिए पहली शिपट
सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक
होगी जबकि दूसरी शिपट सायंकाल
4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक
होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र
की गतिविधियों के लिए समय सुबह
9 बजे से सायंकाल साढ़े 4 बजे
तक होगा।

के लिए केवल कर्मचारियों के लिए
खुला रहेगा। इसी प्रकार सायंकाल
के समय चार नंबर गेट के खुलने
का समय साढ़े 4 से 4 बजकर 45
मिनट तक केवल बाहर जाने के लिए
ही खुलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २३.९.२०२०...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....२.६.....

एचएयू में सुबह नौ से शाम साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से शाम साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विवि में कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिन से लगातार जड़ रहे कोरोना के सब विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया है। उन्होंने बताया कि अब विवि में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुल रहेगा। साथ ही केवल एचएयू के कर्मचारियों की

सी व डी ग्रेड के कर्मचारी पहले शिफ्ट में 9 से 12:30 बजे व दूसरे शिफ्ट में 1 से शाम 4:30 आएंगे ऑफिस कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'डी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विवि के समय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट

दोपहर 1 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगी। विवि का कैपस हास्पिटल के लिए पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। विवि के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय सुबह 9 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगा।

लुवास में कोरोना से बचाव को पहले भीड़ नियंत्रित करने के लिए पश्च चिकित्सालय में लगाए 21 सीसीटीवी हिसार। लुवास पश्च चिकित्सालय में आने वाले लोगों और स्टाफ को कोरोना से बचाने के लिए लुवास प्रशासन ने अदम निर्णय लिया है। चिकित्सालय में आने वाले हर पशुपालक और अन्य लोगों को जहां बचाव के लिए मास्क और सेनिटाइजर का वितरण किया जा रहा है। वहीं डिस्टेंस बनाने के उद्देश्य से पशु

• विश्वविद्यालय के ग्रुप ए और बी के कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

चिकित्सालय के विभिन्न विभाग में 21 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिन्हे अधिकारियों के मोबाइल और लैपटॉप से जोड़ा गया है। जिस भी विभाग में सीसीटीवी के माध्यम से भीड़ अधिक दिखाई देती है, विभागीय अधिकारी कॉल या मैसेज भेजकर संबंधित अधिकारी और कर्मचारी को भीड़ नहीं जुटाने की अपील करते हैं।

सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए सुबह 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुल रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के

लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार शाम के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।

• 6 फीट छी दूरी अनिवार्य: कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार

करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो।

साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी

कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभिभावका
दिनांक २३.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... १-२

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कार्यालय अब शाम साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। विवि के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि पहले की तफ अब भी प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। सिर्फ कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार सुबह आठ बजकर 45 मिनट से नौ बजकर 15 मिनट और दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 और सांयकाल 4:30 से 4:45 बजे तक खुलेगा। सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक आना होगा। मगर 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा। पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर एक बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। विवि के कैपस अस्पताल के लिए पहली शिफ्ट सुबह आठ से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट शाम चार से पांच बजे तक होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैरेक्टर ऑफ़ लोक संपर्क कार्यालय

दिनांक २३-९-२०२० पृष्ठ संख्या..... १२ कॉलम..... ८

अब एचएयू में साढे चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढे चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा।

■ ग्रुप ए व बी और यह समय कर्मचारियों प्रशासन के का आना आगामी आदेश अनिवार्य, ग्रुप तक प्रभावी री व डी के रहेगा। उक्त लिए बनेगी निर्णय पिछले दो शिफ्ट कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे

कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है।

उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 : 15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप ए व बी के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप सी व डी के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पंजाबी भाषा

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २३.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....५.६

कोरोना महामारी के चलते हकूमि ने किए कई बदलाव, कार्यालयों का समय बदला

ग्रुप-ए व बी कर्मचारियों का
आना अनिवार्य, ग्रुप-सी व
डी के लिए बनेंगी 2 शिफ्ट

हिसार, 22 सितम्बर (ब्यूरो):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कार्यालय अब
सायं साढ़े 4 बजे तक खुले रहेंगे।
विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.
बी.आर. कंबोज ने बताया कि
कार्यालयों का समय 9 बजे से सायं
4:30 बजे तक रहेगा और यह समय
प्रशासन के आगामी आदेश तक
प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले
कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना
केस व विश्वविद्यालय में मिले
संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को
ध्यान में रखते हुए केंद्र व राज्य
सरकार द्वारा जारी हिदायतों की
अनुपालना करते हुए लिया गया है।
उन्होंने बताया कि अब
विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए
केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा।
साथ ही केवल विश्वविद्यालय के

कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट
नंबर 4 भी खुलेगा, जो प्रवेश के लिए
प्रातः 8:45 से 9:15 बजे तक खुला
रहेगा। दोपहर 12:30 से 1:15 बजे तक
आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों
के लिए खुला रहेगा। कुलसचिव ने
बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी'
के कर्मचारियों को कार्यालय में
विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे
से सायंकाल 4:30 बजे तक आना होगा,
लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों
को 2 शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा,
जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे
से दोपहर 12:30 बजे तक होगी, जबकि
दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सायंकाल
4:30 बजे तक होगी।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय
के कैंपस अस्पताल के लिए पहली
शिफ्ट प्रातः : 8 बजे से दोपहर 12
बजे तक होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट
सायंकाल 4 से 5 बजे तक होगी।
कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था
इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच
की 6 फुट दूरी अनिवार्य हो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

निम्न. २०१५.२०२४

दिनांक .२२.७.२०२४ पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का
आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के
लिए बनेंगी दो शिफ्ट

निव शक्ति टाइम्स न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 मित्रव्यर से मात्र साढ़े
चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए
विश्वविद्यालय के कूलसचिव डॉ. चंद्री आर. कंदोज ने
बताया कि 22 मित्रव्यर से विश्वविद्यालय के
कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से समय
4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के
आगामी आठें तक प्रभाली रहेगा। उक्त निर्णय
पिछले कुछ दिनों से लगातार बद्द रहे कोरोना के सब

विश्वविद्यालय में मिले संक्रित कर्मचारियों को
संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को
खटकारा द्वारा जारी हितायतों की अनुपस्थिति करते हुए
तिथा गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय
में प्रबंधन के लिए केवल एक नवर चार गेट ही खुला
रहेगा। रात्रि ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों
की सुविधा के लिए गेट नवर चार भी खुलेगा जो
प्रबंधन के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर
15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से
दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल
कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार
संयोक्त के समय चार नवर गेट के खुलने का समय
4:30 से 4:45 बजे तक केवल चालू जाने के लिए,
ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान फोरिड 19

को लेकर केवल व राज्य सरकार द्वारा जाए। केवल
को पालन किया जाएगा और एम.एच.ए. के दिजा-
रोकने के लिए कोरिड-19 संबंधी केवल व राज्य

सरकार द्वारा जारी हितायतों की अनुपस्थिति करते हुए

तिथा गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय

बजे तक होंगे। विश्वविद्यालय के फार्म थेट्र की
गतिविधियों के लिए समय प्रातः 9 बजे से सायंकाल
4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का
लंब भी होगा।

6 फीट की दूरी अनिवार्य

कर्मचारियों को बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी
होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य है।
मात्र ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति
आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने
की अनुपस्थिति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में
कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना सुनते
विदेशी अधिकारी को देने अनिवार्य होगा। आगे
कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना सुनते
विदेशी अधिकारी को देने होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पा० २५५.५२५.....

दिनांक २२.७.२०२०. पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22

सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8

बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 : 15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सरों में
दिनांक ३.७.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार, 22 सितम्बर (राजपगाड़) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सुबह 9 बजे से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की मुक्तियां के लिए गेट नंबर चार भी खुलेंगी जो प्रवेश के लिए प्रातः 8:45 बिना से 9:15 बजे तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल

कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों

ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

का पालन किया जाएगा और एमएचए के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी।

दो शिफ्टों में आएंगे कर्मचारी : कुलसचिव ने बताया कि ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके

लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सायंकाल 4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक होगी।

6 फीट की दूरी अनिवार्य : कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हिसार टुडे.....
दिनांक 23.9.2020 पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....

एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

टुडे न्यूज | हिसार 23

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नं.भा. २५१
दिनांक २२.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हकृति के कार्यालयों का समय अब प्रातः 9 से सायं 4:30 तक

हिसार/22 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय आज से सांयं साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि आज से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांयं 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेंगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1 :15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। कुलसचिव ने

बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सायंकाल 4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रातः 9 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का लंच भी होगा। कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक होने के अलावा दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं होगी। अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देना अनिवार्य होगा। अगर कोई संदिग्ध केस मिलता है तो इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सिटी पल्स

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २२.७.२०२०...पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांय साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांय 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेंगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 : 15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा।

गृप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, गृप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

कुलसचिव ने बताया कि सभी गृप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन गृप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सांयकाल 4 बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म शेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रातः 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घंटे का लंच भी होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
हिसार लोक संपर्क

दिनांक २२.१.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हैलो हिसार न्यूज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सांयं साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सांयं 4:30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालन करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्राप्त: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर

ग्रुप ए व बी कर्मचारियों का आना अनिवार्य, ग्रुप सी व डी के लिए बनेंगी दो शिफ्ट

15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12 : 30 बजे से दोपहर 1 : 15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सांयकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाएगा और एम.एच.ए. के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। दो शिफ्टों में आएंगे कर्मचारी कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप 'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सांयकाल 4:30 बजे तक होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पल ५८
दिनांक २२-७-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

अब एचएयू में साढ़े चार बजे तक खुलेंगे कार्यालय

पल पल न्यूज़: हिसार, 22 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 22 सितम्बर से सायं साढ़े चार बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि 22 सितम्बर से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से सायं 4.30 बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। उक्त निर्णय पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब

विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेंगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुला रहेगा। दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1:15 तक आने व जाने के लिए केवल कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। इसी प्रकार सायंकाल के समय चार नंबर गेट के खुलने का समय 4:30 से 4:45 बजे तक केवल बाहर जाने के लिए ही खुलेंगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाएगा और एम.एच.ए. के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। कुलसचिव ने बताया कि सभी ग्रुप

'ए' व 'बी' के कर्मचारियों को कार्यालय में विश्वविद्यालय के समय सुबह 9 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक आना होगा। लेकिन ग्रुप 'सी' व 'डी' के कर्मचारियों को दो शिफ्टों में कार्यालय में आना होगा, जिसके लिए पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल के लिए पहली शिफ्ट प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी जबकि दूसरी शिफ्ट सायंकाल 4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक होगी। विश्वविद्यालय के फार्म क्षेत्र की गतिविधियों के लिए समय प्रातः 9 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक होगा और इस दौरान आधे घण्टे का लंच भी होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

उजाला

दिनांक २३. ११. २०२० पृष्ठ संख्या....!कॉलम..... २.३

लुवास में नौ प्रोफेसर सहित 18 कोरोना पॉजिटिव, पांच दिन के लिए एचएयू बंद

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। शहर के विश्वविद्यालयों में कोरोना रफ्तार पकड़ रहा है। तुवास में अब तक नौ प्रोफेसर सहित कुल 18 लोग पॉजिटिव हैं।

वहीं, एचएयू में अब तक 20 से अधिक लोग कोरोना पॉजिटिव आ चुके हैं। लगातार बन रही कोरोना चेन के कारण मंगलवार को एचएयू ने बीरबार और शुक्रवार को छुट्टी की घोषणा कर दी। ऐसे में अब एचएयू पांच दिनों के

लिए बंद रहेगी। बुधवार को शहीदी दिवस है और इसके बाद अंतिम शनिवार व फिर शनिवार का अवकाश रहेगा। इन दौरान विवि को पूरी सैनिटाइज करवाया जाएगा।

लुवास के कुलपति प्रो. गुरदियाल सिंह ने कहा कि जिन लोगों में भी लक्षण हैं, उन्हें टेस्ट करवाने को कहा गया है। सिर्फ जरूरी कार्य करने के लिए ही लोगों को विवि में बुलाया जाएगा और पश्च अस्पताल व फार्म सहित सभी जरूरी सेवाएं सुचारू रहेंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैसरी

दिनांक २५. १. २०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ७-८

हिंदी भाषों को व्यक्त करने का सशक्ति एवं सार्थक माध्यम : प्रो. राजवीर

■ हिंदी पञ्चवाड़ा के तहत 'हिंदी स्वर सरिता' कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति

हिसार, 23 सितम्बर (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पञ्चवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्वा व उपयोग पर प्रकाश ढालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भाषों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा सार्थीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। विभागाध्यक्ष डॉ.

सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।

प्रो. सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमें हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय गर्व करना चाहिए। हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सार्व व निर्गुण भवित्व को मीरा, मुरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संथा शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां बांधे रखा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। मंच का संचालन डॉ. अपर्णी ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सैनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया।



कार्यक्रम में प्रस्तुति देती प्रो. कृष्णा हुड्डा व अन्य।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभियान !
दिनांक ५.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ५-५

'हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम'

हिसार(ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिंदी भाषा प्रख्याड़े के उपलक्ष्य में हिंदी स्वर सरिता कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता और उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

हृषि में हिंदी प्रख्याड़ा के तहत ऑनलाइन हुआ हिंदी स्वर सरिता कार्यक्रम

हिंदी भाषा भावों के उद्गार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोहर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने कहा कि हमें हिंदी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

मेरी जनकी जा० १२०।

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक ५. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ७-८

हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम : प्रो. सिंह

जागरण संवाददाता, हिसारः
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान
एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा
एवं हरियाणी संस्कृति विभाग द्वारा
हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य
में हिन्दी स्वर सरिता कार्यक्रम की
ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कुलपति
प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश के
तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी
महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो.
राजबीर सिंह के निर्देशन में किया
गया। कार्यक्रम में प्रो. राजबीर सिंह ने
हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर
प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी
भाषा भावों के उद्गार को व्यक्त
करने का संवेदनशील मंच है। यह
भाषा राष्ट्रीय धरोहर है, जिसका
प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग
है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए
रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य
है। विभागाध्यक्ष डा. सुषमा आनंद
ने विश्वविद्यालय के कुलपति व
अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों
का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत
किया। प्रो. सुषमा आनंद ने कहा कि
हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन
नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन

समारोह

- एचएयू में हिंदी पखवाड़ा
के तहत हिन्दी स्वर सरिता
कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन
प्रस्तुति

सगुण व निर्गुण भवित्व पदों ने मोह लिया मन

हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में
सगुण व निर्गुण भवित्व को मीरा,
सुरदास, तुलसीदास, कबीरदास
कवियों के सुन्दर भजन व गीतों
द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो.
कृष्ण हुड़ा, डा. महेन्द्र कुमार
व डा. संघा शर्मा ने आपने गीतों
एवं भजनों द्वारा समाँ बांधे रखा।
विश्वविद्यालय के प्राच्यापकों,
विज्ञानियों व शोधकर्ताओं ने इस
कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर
लुटक उठाया। कार्यक्रम में मंच का
संचालन डा. अपर्णा ने किया।

मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना
है। हमें हिन्दी बोलने में गर्व का
अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने
की शर्म करते हुए इसे छोड़ने के
बजाय अपनाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५६

एचएयू में हिंदी परखवाड़ा के तहत '**हिंदी स्वर सरिता**' कार्यक्रम आयोजित

प्रो. राजवीर सिंह ने कहा- हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम

सिटी रिपोर्टर • एचएयू में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग ने हिंदी भाषा परखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिंदी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की।

यह कार्यक्रम एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। प्रो. राजवीर सिंह ने बताया कि हिंदी भाषा भावों के उदाहरण को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा भावों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने विवि के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।



को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने विवि के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।

संगुण व निर्गुण भवित पदों ने मोह लिया मन हिंदी स्वर सरिता के कार्यक्रम में संगुण व निर्गुण भवित को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्णा हुड्डा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संघ्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समाँ को बांधे रखा। विवि के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुटक उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी का ध्यान रखा गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नं.भा. ३०१२

दिनांक २३.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हिंदी भाषा राष्ट्रीय धरोहरः सिंह

हिसार/23 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावों के उदगार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोहर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम

है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमें हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए। सगुण व निर्गुण भक्ति पदों ने मोह लिया मन हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सगुण व निर्गुण भक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर कृष्ण हुइडा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां को बांधे रखा। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पांच बजे

दिनांक 23 - 9 - 2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त एवं सार्थक माध्यम : प्रो. राजवीर सिंह

पांच बजे व्यूग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिंदी भाषा परखाड़े के उपलक्ष्य में 'हिंदी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का अ। य। ज। न। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक



विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए प्रो. राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी भाषा भावों के उद्गार को व्यक्त करने का संबेदनशील मन्त्र है। यह भाषा राष्ट्रीय भरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की

मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का

एवेएयू में हिंदी परखवाड़ा के तहत हिन्दी स्वर सरिता कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति

ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमे हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्म करते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए।

संगुण व निर्गुण भौक्ति पदों ने मोह लिया मन

हिन्दी स्वर सरिता के कार्यक्रम में संगुण व निर्गुण भौक्ति को मीरा, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास कवियों के सुन्दर भजन व गीतों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. कृष्ण हुड़ा, डॉ. महेन्द्र कुमार व डॉ. संध्या शर्मा ने अपने गीतों एवं भजनों द्वारा समां को बांधे रखा। विश्वविद्यालय के प्राच्यापकों, वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अपर्णा ने किया। इस दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाजनेशन का विशेष ध्यान रखा गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिंह पत्र

दिनांक २३.७.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

एचएयू में हिंदी पछवाड़ा के तहत¹ 'हिन्दी स्वर सरिता' कार्यक्रम की हुई ऑनलाइन प्रस्तुति



हिसार। कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं प्रोफेसर कृष्णा हुड़ा व अन्य।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं गानविकी महाविद्यालय के बाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा पछवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिन्दी खट सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। मौलिक विज्ञान व गानविकी महाविद्यालय के अधिकारी प्रोफेसर राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्वा व उपयोग पर पक्षाश डालते हुए बताया कि हिन्दी भाषा भावें के उत्तरार तो व्यक्त करने का सर्वेनशील मिह है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रयार व प्रसार करना, समय की नीति है। इसके मूल्यों व आदर्शों को सजोए रखना हर भारतीय का नूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक मार्गदर्शन है। इस भाषा

को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्युतागान है। विगागाध्यात् डॉ. सुषमा आनन्द ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिकारी सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनन्द ने कहा कि हमें हिन्दी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साय नहीं छोड़ना है। हमें हिन्दी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिंदी बोलने की शर्त छरते हुए इसे छोड़ने की बजाय अपनाना चाहिए। प्रोफेसर कृष्णा हुड़ा, डॉ. नाहेन्द्र कुमार व डॉ. सरथा शर्मा ने अपने गीतों एवं नज़नों द्वारा समा को बधे रखा। इस दौरान सामाजिक टूटी, गाएँ व सेनेटाजनेशन का विशेष ध्यान रखा गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

सभृत व्योग

दिनांक २३. ७. २०२२ पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हिंदी भावों को व्यक्त करने का सशक्त एवं सार्थक माध्यमः प्रो. राजवीर सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी भाषा परखवाड़े के उपलक्ष्य में 'हिंदी स्वर सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश के तहत मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजवीर सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राजवीर सिंह ने हिंदी भाषा की महत्ता व उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी भाषा भावों के उद्गार को व्यक्त करने का संवेदनशील मंच है। यह भाषा राष्ट्रीय धरोधर है, जिसका प्रचार व प्रसार करना, समय की मांग है। इसके मूल्यों व आदर्शों को संजोए रखना हर भारतीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा भावों को व्यक्त करने का एक सशक्त एवं सार्थक माध्यम है। इस भाषा को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा आनंद ने विश्वविद्यालय के कुलपति व अधिष्ठाता सहित सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया। प्रोफेसर सुषमा आनंद ने कहा कि हमें हिंदी दिवस को केवल एक दिन नहीं मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए इसका साथ नहीं छोड़ना है। हमें हिंदी बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

भिन्न भिन्न दिन 2023 से

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 23.9.2023 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हिंदी भाषाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम : प्रो. राजवीर सिंह

एचएयू में हिंदी पञ्चवाड़ा
के तहत 'हिंदी स्वर
सरिता' कार्यक्रम की हुई
ऑनलाइन प्रस्तुति

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं
मानविकी महाविद्यालय के भाषण एवं
हरियाणी मंसुखी विभाग द्वारा हिंदी
भाषा पञ्चवाड़े के उपलब्ध में 'हिंदी स्वर
सरिता' कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रस्तुति
की गई। कार्यक्रम का आयोजन



विश्वविद्यालय के कूर्तपति व
अधिकारी संघीय सभी प्रतिपानियों का
ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।
प्रोफेसर सुपर्या आनन्द ने कहा कि हमें
हिंदी दिवस को केवल एक दिन नहीं
मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए
इसका मायथ नहीं छोड़ता है। हमें हिंदी
वोलने में गरी का अनुभव करना चाहिए।

हर भाषातीय का मूल कर्तव्य है। यह भाषा
भाषाओं को व्यक्त करने का एक मशक्क एवं
गार्थक माध्यम है। इस भाषा को
अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न विधाएं
विद्यमान हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. सुपर्या

आनन्द ने विश्वविद्यालय के कूर्तपति व
अधिकारी संघीय सभी प्रतिपानियों का
ऑनलाइन माध्यम से स्वागत किया।
प्रोफेसर सुपर्या आनन्द ने कहा कि हमें
हिंदी दिवस को केवल एक दिन नहीं
मनाना है, बल्कि इसे प्रतिदिन मनाते हुए
इसका मायथ नहीं छोड़ता है। हमें हिंदी
वोलने में गरी का अनुभव करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के प्राच्यापकों,
वैज्ञानिकों व शोधकार्यालयों ने इस कार्यक्रम
में 'ऑनलाइन' जुड़कर लुफ्फ उठाया।
कार्यक्रम में यूंच का संचालन वर्षी अपार्ट
ने किया। इस शोधन महाविद्यालय दरी
मासक व सेनेटोरियन विशेष
ध्यान रखा गया।

सम्पर्ण व निर्गमन भक्ति
पदों ने मोहू लिया मन
हिंदी स्वर सरिता के कार्यक्रम में सम्पूर्ण



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....योनि का भास्कर.....

दिनांक २५.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ६.८

कोरोना संक्रमित मिलने के बाद एचएयू परिसर को किया सेनिटाइज, दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

आस्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू परिसर को बुधवार को सेनिटाइज कराया गया। साथ ही स्टाफ के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई। कोरोना महामारी के चलते विवि में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर किया गया। इसके लिए विवि के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में तीन सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया गया।

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनिटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि एचएयू परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार



एचएयू परिसर को सेनेटाइज करते कर्मचारी।

रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनिटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इस कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सिताम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो

दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए एचएयू के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्टेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटीयां लगाई गई हैं। सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, प्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंडुवा भस्ती.....

दिनांक २५.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....५.....

एच.ए.यू. परिसर को किया सैनिटाइज, 2 दिन बाद फिर चलेगा अभियान

हिसार (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सैनिटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सैनिटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रौ. संमर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना के सब व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एच.ए.यू. परिसर को सैनिटाइज करवाने का फैसला लिया है।

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं।



विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज करता कर्मचारी।

इसलिए प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सैनिटाइज करवाने का फैसला लिया गया।

इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितंबर को 2 दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ने

हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सैनिटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ड्रैक्टर स्प्रे पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सैनिटाइज कराया गया।



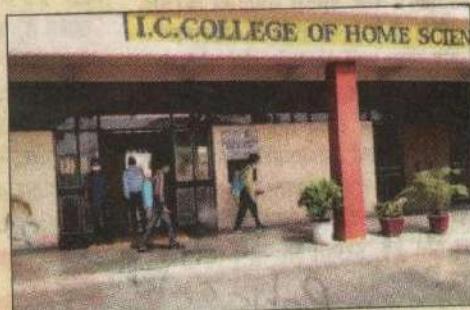
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अभिभावना

दिनांक २५.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....१-२

हक्कि परिसर को किया सैनिटाइज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सैनिटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सैनिटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. बीआर कंबोज की नियरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुल सचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना के सब विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को सैनिटाइज करवाने का फैसला लिया है। सैनिटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सैनिटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्टि, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्यूटियां लगाई गई हैं। बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय आदि को सैनिटाइज करवाया गया।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दौरः मङ्गल

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.१.२०२० पृष्ठ संख्या..... १ कॉलम..... ७.४

एचएयू परिसर को किया जा रहा सेनेटाइज

■ दो दिन के बाद फिर से चलेगा
अभियान



हिसार। हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में कोरोना महामारी के
चलते पूरे परिसर को बुधवार को
सेनेटाइज कराया गया।
विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन
का कार्य कुलपति प्रोफेसर
समरसिंह के दिशा-निर्देश पर किया
गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने
पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे
कोरोना केस तथा विश्वविद्यालय में
मिले संक्रमित कर्मचारियों की
संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे
एचएयू परिसर को सेनेटाइज
करवाने का फैसला लिया है।
कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने
बताया कि विवि परिसर में रिहायशी
क्षेत्र में कर्मचारियों के परिवार रहते
हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल
हैं। इसलिए विवि प्रशासन की

मंगलवार को हुई बैठक में
विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज
करवाने का फैसला लिया गया।

इसी कारण से विश्वविद्यालय
में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के
लिए सभी कार्यालय बंद करने का
फैसला लिया गया, ताकि करोनो की
चेन को तोड़ने में मदद मिल सके।
ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के
दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से
पूरे परिसर को सेनेटाइज किया
जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नामः चौधरी

दिनांक २३.१.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हकूमि परिसर को किया सैनेटाइज

हिसार/23 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को आज सैनेटाइज कराया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुलसचिव ने बताया कि प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सैनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओरें कल हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सैनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25



सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि कोरोना की ओरें को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सैनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सैनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की इयूटियां लगाई गई हैं। यह साया कार्य उन्हों की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर से पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सैनेटाइज कराया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पात्र बजे

दिनांक २५-९-२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

एचएयू परिसर को किया सेनेटाइज,
दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

ਪੰਥ ਕਾਨੂੰਨ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निदेश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एवाईयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है।

विश्वविद्यालय परिसर में है रिहायशी
क्षेत्र, जिसके चलते लिया फैसला

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय



परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैप्स अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डॉ. पुष्टेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी

सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की इयटियां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, कैप्पस के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर स्प्रे पंप व हस्तचालित मशीनों से भी सेनेटाइज कराया गया।

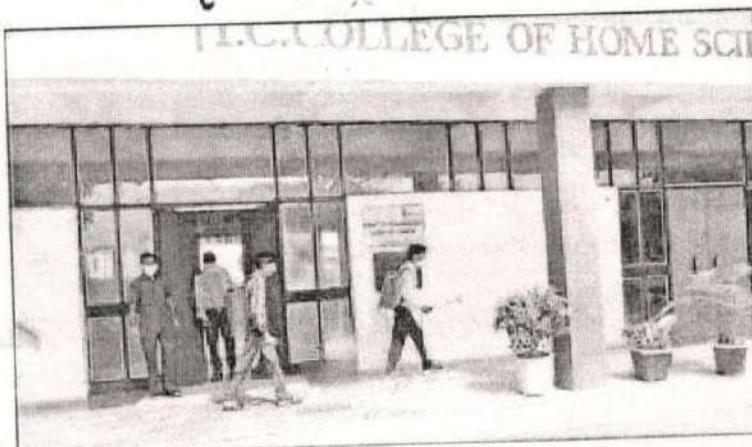


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.१.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय पांच दिन रहेंगे बंद



हिसार : विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज करते कर्मचारी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 23 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समस सिंह के द्वारा निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. चौधरी कंवोज की नियशनी में एक नीर मरम्मीय कम्बंटी का गठन किया

गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने यहाँले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना के सब व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचआय परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में तिहायरी शेरू भी है जहाँ कर्मचारियों के परिवार

विश्वविद्यालयमें लगातार बढ़ रहे हैं कोरोना केस

रहते हैं, जिनमें बच्चे व चुजुर्जी भी शामिल हैं। इसलिए, विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलवार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण ये विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के सिलायशी शेरों, पलैंचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया। इसके लिए ट्रैक्टर से पैप व हस्तांतरित पश्चीमों से भी सेनेटाइज कराया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

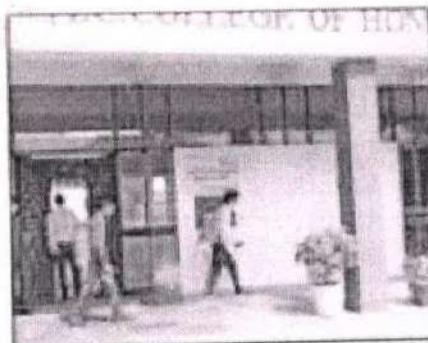
समाचार पत्र का नाम.....ਪੜ੍ਹਾਉ ਕੇ ਸ਼ੇਰੀ

दिनांक २३-९-२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

कृषि विवि के सभी कार्यालय एविवार तक बंद

हिसार, राज पराशार (पंजाब केसरी)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के बलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों को संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया है। कुलसचिव ने बताया कि



विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहाँ कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व वुडुर्झ भी शामिल हैं। इसलिए, विश्वविद्यालय प्रशासन की मंगलबार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो को चेन को तोड़ने में

मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के तहसरे चरण में दो दिन बाद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। शनिवार व गविवार को छुट्टी है। इस लिये अब सभी कार्यालय सोमवार को ही खुलेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के कैपस अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर डा. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह व सहायक कुल-सचिव कपिल अरोड़ा की ड्युटीयां लगाई गई हैं। यह सारा कार्य उन्हीं की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों, सभी विभागों, विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय सहित पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन करवाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २३. १. २०२२ पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू परिसर को किया सेनेटाइज दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। विश्वविद्यालय में यह सेनेटाइजेशन का कार्य कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश पर कोरोना महामारी के चलते किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज की निगरानी में एक तीन सदस्योय कमेटी का गठन किया गया। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी हैं जहां कर्मचारियों के



परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व लिए विश्वविद्यालय के कैंपस बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए अस्पताल से मेडिकल ऑफिसर विश्वविद्यालय प्रशासन की डॉ. पुष्पेंद्र, मुख्य सुरक्षा अधिकारी भंगलबार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को सर्वसम्पत्ति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व

25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया गया, ताकि करोनो महाविद्यालयों, सभी विभागों, की चेन को तोड़ने में मदद मिल विश्वविद्यालय के रिहायशी क्षेत्रों, सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन फ्लैचर भवन, गृह विज्ञान अभियान के दूसरे चरण में दो दिन याद फिर से पूरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके सेनेटाइजेशन करवाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... संख्या ५५५

दिनांक २५. ९. २-२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू परिस्तर को किया सेनेटाइज़,
दो दिन बाद फिर चलेगा अभियान

मिट्टी पत्त्वम् न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूरे परिसर को बुधवार को सेनेटाइज कराया गया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से लगातार चढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पूरे एचएयू परिसर को सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया है।

कुलसचिव ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में रिहायशी क्षेत्र भी है जहां कर्मचारियों के परिवार रहते हैं, जिनमें बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की मांगलबार को हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को



सर्वसम्मति से सेनेटाइज करवाने का फैसला लिया गया। इसी कारण से विश्वविद्यालय में 24 व 25 सितम्बर को दो दिन के लिए सभी कार्यालय बंद करने का फैसला लिया

गया ताकि करोनो की चेन को तोड़ने में मदद मिल सके। ऐसे में सेनेटाइजेशन अभियान के दूसरे चरण में दो दिन बाद फिर मेरे परिसर को सेनेटाइज किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पैन्डु जागरूक

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.६.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....।-५.....

सूरत-ए-हाल

गिरि सेंटर, एग्रीकल्चर कालेज, एंजीनियरिंग कालेज के पास उगी हैं काफी झाड़ियां

लॉकडाउन के बाद बदली एचएयू की तस्वीर, झाड़ियां उगीं

जागरण संवाददाता, हिसार:
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में दाखिल होते ही
कभी ऐसा लगता था, जैसे किसी
विदेशी विश्वविद्यालय में आ गए हों।
मगर इन दिनों तस्वीर कुछ पलट गई
है।

लॉकडाउन के बाद विश्व-
विद्यालय खुला तो कई स्थानों पर
लंबी-लंबी झाड़ियां उग गई हैं।
झाड़ियां भी ऐसे स्थान पर उगी
हैं जो स्थान एचएयू के सम्मान के
लिए जाने जाते हैं। इसमें गिरि सेंटर,
एग्रीकल्चर कालेज, एग्रीकल्चर^{इंजीनियरिंग कालेज आदि शामिल}
हैं। इसके साथ ही लाला लाजपत
राय पश्चि चिकित्सा एवं पश्चि विज्ञान
विश्वविद्यालय के ऑफिटोरियम
के पास भी कुछ इसी प्रकार का
नजारा है।

इन दोनों स्थितियों को देखकर
आप अंदाजा लगा सकते हैं कि
लैंडस्केप के काम को कराने के लिए
दोनों की विश्वविद्यालयों को अभी
कई दिन लगने वाले हैं।



विश्वविद्यालय के गिरि सेंटर में उगी धास। ● जागरण

लॉकडाउन के बाद मिशन भोड़ में चलता काम तो चमकता एचएयू

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
ने कुछ समय पहले रवच्छ कैपस
रखने वाले शिक्षण संस्थानों के
बीच एक प्रतियोगिता कराई थी।
जिसमें एचएयू के हिसार कैपस को
सर्वोच्च अंक मिले थे। इसके बावजूद
किसी तकनीकि कमी के कारण

विश्वविद्यालय को देश में सबसे साफ
कैपस का अवार्ड नहीं मिल सका था।
अब कोविड-19 के बाद का एचएयू
और पहले की एचएयू में काफी फर्क
है। अगर पिछले एक दो महीनों में
अभियान चलाकर कैपस में लैंडस्केप
में काम होता तो हालात अच्छे होते।



विश्वविद्यालय के अरावली हॉस्टल के पास उगी धास। ● जागरण

अब धीरे-धीरे बदल रही है व्यवस्था

हाल ही में कूलपति प्रो. समर सिंह ने
लैंडस्केप यूनिट की जिम्मेदारी डा.
पवन को दी है। जिसके बाद कुछ
काम फिर से शुरू हो चुका है। मगर
विश्वविद्यालय को पूरी तरह से पुराने
कैपस में बदलने में अभी कितना
समय लगेगा इसको लेकर अभी कुछ
कहा नहीं जा सकता है। कैपस की
लैंडस्केप की देखभाल के लिए एक
अलग ही विभाग है। जिसमें बाकायदा
अधिकारियों व कर्मचारियों को
जिम्मेदारी भी दी जाती है। जो कैपस
को साफ-सुशरा और आकर्षक
बनाने के लिए काम करते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... उमाहात्मा.....

दिनांक २५.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....५..... कॉलम.....५-६.....

एचएयू में 11 हजार विद्यार्थियों ने किया आवेदन, कॉलेजों में आज अंतिम दिन

गुजवि : बीएससी में आज और कल में भरनी होगी दाखिला फीस

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया बुधवार को पूरी हो गई। इस कोर्स के लिए कुल साढ़े 11 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। अब दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

इसके लिए जिले भर में परीक्षा केंद्र बनाए जाने की योजना है। दूसरी तरफ, जिले के कॉलेजों में आवेदन का वीरवार को अंतिम दिन है। विद्यार्थी वीरवार रात 12 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद पांच दिनों तक यानी 25 से 30 सितंबर तक दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया चलेगी। पहली मेरिट लिस्ट एक

लुवास में पीजी की परीक्षाएं एक अक्तूबर से

लाला लाजपत राय पश्च विज्ञान एवं पश्च विकित्सा विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कोर्सों की सेमेस्टर परीक्षाएं एक अक्तूबर से शुरू होंगी और 12 अक्तूबर तक चलेंगी। एमवीएससी और पीएचडी के विभिन्न कोर्सों के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन परीक्षाएं देंगे। परीक्षा के दौरान प्रत्येक चार विद्यार्थियों पर एक शिक्षक नजर रखेगा और निगरानी के लिए कड़े प्रबंध किए जाएंगे। दूसरी तरफ, विवि में डिप्लोमा और स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा की घोषणा जल्द की जाएगी।

रात जारी की गई। जिन विद्यार्थियों ने अक्तूबर को और दूसरी 8 अक्तूबर को जारी की जाएगी। इसके अलावा आईटीआई संस्थानों में दाखिले के अंतिम तिथि 28 सितंबर रखी गई है।

गुजवि में बीएससी में दाखिले के लिए 25 तक भरें फीस : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने बीएससी के सभी कोर्सों के लिए मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। यह मेरिट लिस्ट मंगलवार को देर

रात जारी की गई। जिन विद्यार्थियों ने पहली मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया है, उन्हें 25 सितंबर तक दाखिला फीस भरनी होगी। ऐसे में विद्यार्थियों के पास फीस भरने के लिए दो दिन बचे हैं। विवि प्रशासन के अनुसार, विद्यार्थियों द्वारा दाखिला न लेने पर खाली बची सीटों का विवरण 26 सितंबर को जारी किया जा सकता है।